

तारीक  
हुक्म

अनुवान मुकदमा

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

मु. नं.

किस्म मु०

१/१/११

फादली आप राफख लोक वेदालत देप  
गुनाही देप डई।

पक्षी क अशर्तिय को कार २ बेकाप दिनाम  
गुं कपक्ष कोपप फिकारत अगल इमलियर पका  
गानि अकई देप कोई हे राका गफा

देप कोई ही फिकारत को कार २ बेकाप  
दिलानी गई फिकारत कापक्ष कोपप के अशर्तिय

फादली क अलोक विम गफा प्रपक्ष द्वारा  
दापी अगल हे फादली हे कोई कपि नही।  
दिलानी फाका अशर्तिय होल रा कप

अक गफा प्रपक्ष को उक गफा हे अक  
अतः अक क अशर्तिय नही हे फादली

अतः फादली अशर्तिय हे उक अक को हे  
फादली कपि विम फादली

विम अक अक अशर्तिय को अक  
कोप अक देप गुनाही अक कोप  
हे फादली अक अक अक

फादली फादली अक अक  
दिवद अक अक अक अक

अशर्तिय कोपप  
अक अक अक अक  
अक अक अक अक

अशर्तिय कोपप  
अक अक अक अक